भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1463

दिनांक 01/08/2025

विकसित कृषि संकल्प अभियान का लक्ष्य एवं प्रगति

1463. श्रीमती संगीता यादव:
श्री केसरीदेवसिंह झाला:
डा. कविता पाटीदार:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विकसित कृषि संकल्प अभियान, 2025 के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा किसानों और महिला किसानों के लिए निर्धारित आउटरीच लक्ष्य क्या है ;

(ख) राज्यों और संघ-राज्यक्षेत्रों में आयोजित जिला-स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रमों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या इस अभियान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केन्द्रीय मीठाजल जीव पालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) की प्रौद्योगिकियों के फील्ड स्तर पर किए गए प्रदर्शन शामिल हैं;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) मंत्रालय के विकसित कृषि संकल्प अभियान, 2025 के अंतर्गत गुजरात द्वारा किसानों और महिला किसानों के लिए निर्धारित निर्दिष्ट आउटरीच लक्ष्य क्या है; और

(च) इस अभियान के तहत गुजरात अपने जिला-स्तरीय फील्ड प्रदर्शनों में आईसीएआर-सीआईएफए प्रौद्योगिकियों को किस प्रकार शामिल कर रहा है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क): सरकार ने विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के अन्तर्गत कृषक महिलाओं सहित 1.0-1.5 करोड़ किसानों तक पहुंच बनाने (आउटरीच) का लक्ष्य रखा था। इस अभियान में, 39,72,412 कृषक महिलाओं (29.3%) सहित कुल 1,35,42,105 किसानों ने भाग लिया।

(ख) : यह अभियान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 728 जिलों में शुरू/आयोजित किया गया था।

<u>(ग) से (घ) :</u> जी, हां। इस अभियान के दौरान किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) की प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई। आईसीएआर-सीआईएफए की प्रौद्योगिकियों अर्थात् फ्रेशवाटर कार्प कल्चर, कार्प सीड रियरिंग, सजावटी मछली पालन, कैटफिश उत्पादन, मीठे जल का झींगा तथा मीठे जल में मोती संवर्धन (फ्रेशवाटर पर्ल कल्चर) का प्रदर्शन किया गया।

(ड.) : मंत्रालय के विकसित कृषि संकल्प अभियान, 2025 पहल के अंतर्गत गुजरात के लिए 4.50 लाख किसानों और महिला किसानों का विशिष्ट आउटरीच लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

(च) : इस अभियान के दौरान, वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा गुजरात के किसानों को सजावटी मछली पालन और पर्ल फार्मिंग की उन्नत तकनीकों, रिसर्क्यूलेटिंग एक्वाकल्चर प्रणाली (आरएएस), मछली पकड़ने की टिकाऊ पद्धितियों, मछली और मत्स्य उत्पादों के स्वच्छतापूर्ण संचालन आदि के बारे में जागरूक किया गया, जिसमें आईसीएआर-सीआईएफए की प्रौद्योगिकियां जैसे गांव के तालाबों में कार्प पॉलीकल्चर की वैज्ञानिक विधियां और एफआरपी कार्प हैचरी प्रौद्योगिकी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आईसीएआर-सीआईएफए ने एक मत्स्य सेतु ऐप विकसित किया है और विकसित कृषि संकल्प अभियान, 2025 के दौरान इस ऐप का प्रचार किया।

****